भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

अवध प्रान्त

की

अवध विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक–नवदश पुष्प, जुलाई 2023

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

विशेष सहयोग

जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
अवध प्रान्त

प्रदेश निरीक्षक की कलम से –

हम प्रतिदिन "दीप ज्योति" से "गुरु ज्योति" तक की विनम्र प्रणाम यात्रा के पथिक हैं। हमारे कर्तव्य पथ का प्रस्थान बिन्दु इन्हीं आस्था दीपों से आलोकित होता है और उसी आलोक में हम अपरिचित, गहन, कठिन चुनौतियों में भी आत्मविश्वास से "पुण्य पथ" पर बढ़ते जाते हैं।

आषाढ़ पूर्णिमा हमारी गुरु पूजन परम्परा की तीर्थ पर्व है। गुरु पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा जैसे कितने ही श्रद्धा पूर्ण नामाभिषिक्त यह दिवस हमारी प्रेरणा और सामर्थ्य को बहुगुणिता करता है। ग्रीष्मावकाश के पश्चात एक नई ऊर्जा के साथ विद्या मन्दिर/शिशु मंदिर परिसरों में इसी दिन हमारे आचार्य गण कहीं पुष्प वर्षा करके, तिलक लगाकर, प्रवेश द्वार सजाकर अपने शिष्य भैया–बहनों का स्वागत करते दिखे तो कहीं–कहीं इसी अवसर पर पूर्व छात्र भैया–बहनों ने अपने आचार्य जी के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए उनका सम्मान एवं वन्दन किया। सभी दृश्य सुखद और मंगलमय भविष्य की उद्घोषणा करते दिखे।

एक बार फिर से गुरु परम्परा अपने ओज–तेज से भविष्य के भारत के निर्माण में लग जाएगी यह विश्वास है। नए और बड़े लक्ष्य निर्धारित करके उन्हें पूर्ण करने के संकल्प के साथ हम सभी अध्ययन अध्यापन की आध्यात्मिक धारा का प्रवाह तीव्र करने में समर्थ हों ईश्वर से इतनी ही प्रार्थना।

रामजी सिंह
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0

सम्पादक की कलम से –

गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु वेदव्यास की जयंती के दिन मनाया जाता है। गुरु की महिमा की व्याख्या करना बहुत ही मुश्किल कार्य है जिसे नीचे की पंक्तियों से जाना जा सकता है–

तीन लोक नौ खंड में, गुरु से बड़ा न कोई।

कर्ता करे न करि सकै, गुरु करै सो होय।।

गुरु दो अक्षरों से बना है। पहला अक्षर गु है जिसका अर्थ अंधकार होता है और दूसरा अक्षर रू है जिसका है उसको हटाने वाला होता है अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है संत जन कहते हैं–

रामकृष्ण सबसे बड़ा, उनहूँ तो गुरु कीन्ह।

तीन लोक के धनी गुरु आज्ञा के आधीन।।

गुरु की प्रशंसा तो सभी शास्त्रों ने की है। ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है किंतु गुरु के लिए कोई मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका। गुरु को सभी ने माना है। प्रत्येक गुरु ने दूसरे गुरु की आदर प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है। गुरु का कार्य नैतिक आध्यात्मिक सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है। अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों – ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा है करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है।

संत कबीर कहते हैं–हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर ॥

अर्थात भगवान के रूठने पर तो गुरू की शरण रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना सम्भव नहीं है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है उस श्री गुरू की भूमिका भारत में केवल आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही है, देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को उचित सलाह देकर विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से गुरु ने शिष्य का हर क्षेत्र में व्यापक एवं समग्रता से मार्गदर्शन किया है। अतः सद्गुरु की ऐसी महिमा के कारण उसका व्यक्तित्व माता– पिता से भी ऊपर है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार– यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरूदेवो महेश्वरः ।

गुरुः साक्षात परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

प्रधान सम्पादक

पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.

लखीमपुर–खीरी

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रान्त के विभिन्न विद्यालयों में हुये योग कार्यक्रम की झलकियां

हमारी गतिविधियां

लखनऊ संकुल

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज इन्दिरा नगर लखनऊ में अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्री मदन मोहन गुप्त जी,प्रधानाचार्य श्री गोपाल राम जी, पूर्व छात्र योग गुरु श्री मनीष जी एवं अभिभावक श्री अश्वनी जयसवाल जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जिसमे उपस्थित आचार्य एवं अचार्या बहनो,अभिभावकों तथा भैया एवं बहनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में प्रबंधक जी ने योग के महत्व को समझाया। श्री अखिलेश जी ने आभार प्रकट किया।

योग की महत्ता के विषय में जानकारी दी

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू लखनऊ में विद्यालय के सभी आचार्य परिवार ने योगाभ्यास किया। शारीरिक शिक्षा के वरिष्ठ आचार्य श्री सोमदेव जी ने उष्ण व्यायाम के बाद ताड़ासन,वृक्षासन ,सहित अन्य विविध प्रकार के योग व आसान कराये । प्रधानाचार्य श्री राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस नवें योग दिवस का बहुत महत्व है । आज हमारे यशश्वी प्रधानमंत्री मोदी जी संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय में 180 देशों के प्रतिनिधियों का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने बताया कि 21 जून को ही योग दिवस मनाए जाने का भी विशेष कारण है । इस दिन भगवान भाष्कर उत्तरायण से दक्षिणायन में प्रवेश करते हैं। 6,3,9 के क्रम में पूरक, कुंभक और रेचक के द्वारा उन्होंने श्वांश का महत्व बताते हुए कहा कि हमारे जीवन में योग का बहुत महत्व है। इससे हमारा जीवन दीर्घायु होता है तथा हमारा शरीर निरोग रहता है। इस वर्ष की थीम वसुधैव कुटुंबकम् रखी गई है। योग दिवस समारोह पधारे अविभावकों, बच्चों ,आचार्य परिवार तथा कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन अपनाना चाहिए।

भैया–बहिनों का स्वागत किया गया

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर क्यू अलीगंज लखनऊ में आज ग्रीष्मावकाश के बाद आए भैया बहनों का भव्य स्वागत किया गया।लंबे अवकाश के बाद आज विद्यालय खुलने पर मुख्य द्वार पर सभी भैया बहनों को तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर विद्यालय में प्रवेश किया । प्रधानाचार्य श्री राजेंद्र सिंह जी ने वंदना सभा में सभी को नई ऊर्जा और संकल्प के साथ पठन पाठन में लगने की याद दिलाई । उन्होंने कहा कि हमें इस वर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले बच्चों से कई गुना अधिक सफलता 2023 –2024 मिले ,ऐसा संकल्प लेना चाहिए।

अयोध्या संकुल

योग दिवस मनाया गया

सरस्वती विद्या मंदिर नानकपुरा साकेत में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित करते हुए आदरणीय सुभाष श्रीवास्तव जी एवं आदरणीय रवि शंकर शास्त्री जी महाराज ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप जलाकर पुष्प चढ़ाया। आज के अवसर पर समाज के बंधु आचार्य बंधु बहने विद्यालय के भैया बहन एवं प्रबंध समिति के बंधुओं ने सहभाग किया । अंत में मुख्य अतिथि आदरणीय रवि शंकर शास्त्री जी ने योग के विषय में सभी को प्रभावी ढंग से अपना पाथेय दिया। प्रधानाचार्य जी ने महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त किया।

करो योग रहो निरोग

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर अयोध्या।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 को मां सरस्वती, ओम, भारत माता के समक्ष दीपार्चनएवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री भवानी भीख पांडेय माननीयसंघचालक रामनगर एवं मुख्य अतिथि श्री बालेंद्र जी नगर कार्यवाह रामनगर व विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री आर. के. शुक्ला माननीय सह संघचालक रामनगर एवं अनेक गणमान्य अभिभावक भैया बहन एवं बहने उपस्थित रही।

संकुल स्तरीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

सरस्वती विद्या मंदिर नानकपुरा साकेत में संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग साकेत संकुल का शुभारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय अवरीश जी एवं अध्यक्ष के रूप में आदरणीय प्रोफ़ेसर डॉक्टर विक्रमा प्रसाद पांडे जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आचार्य विकास वर्ग का समापन मुख्य अतिथि श्रीमान मिथिलेश अवस्थी जी महानगर संघचालक श्रीमान सुबंधु जी तथा विद्यालय के प्रबंधक विवेक अग्रवाल जी ने किया प्रातः प्रथम सत्र में प्रदेश निरीक्षक श्रीमान राम जी सिंह जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

गुरू पूर्णिमा का कार्यक्रम मनाया गया

विद्या भारती विद्यालय शिव लाल शर्मा सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर तुलसी नगर अयोध्या में गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम विधिवत हवन पूजन के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री चन्द्र मोहन श्रीवास्तव (पत्रकार), अध्यक्ष श्री द्वारिका प्रसाद पाण्डेय (सह संघ चालक रामलला नगर) ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री ओम प्रकाश तिवारी जी ने अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्यों श्रीमती ममता पाण्डेय, श्री विनीत कुमार मिश्र, श्रीमती प्रियंका त्रिपाठी, सुश्री प्रिया, सौम्या, नेहा पाण्डेय, श्रीमती शशि बाला तिवारी, श्रीमती नेहा पाण्डेय, श्री सुधीर जी, अर्जुन जी, सर्वानंद जी ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

गोण्डा संकुल

गुरू पूर्णिमा उत्सव मनाया गया

आखिल भारतीय शिक्षा संस्थान सरस्वती विद्या मंदिर बड़गांव में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़े धूम–धाम से मनाया गया।इस अवसर पर विधालय के वरिष्ठ आचार्य श्री रविन्द्र जी मिश्र जी ने गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। आज़ विधालय के आगमन पर भैया बहनों में बहुत ही उल्लास का माहौल रहा। विद्यालय की आचार्या दीदी श्रीमती संतोष जी एवं श्रीमती सुमन जी , गायत्री जी ने भैया बहनों को तिलक लगाकर भैया बहनों का स्वागत किया। विधालय के प्रधानाचार्य श्री मंगली प्रसाद तिवारी जी ने भैया बहनों को गुरू पूर्णिमा की बधाई दी। इस अवसर पर विधालय के समस्त आचार्य आचार्या बन्धु/भगिनी उपस्थित थे।

सीतापुर संकुल

धूमधाम से मनाया गया योग दिवस

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज केशव पुरी महोली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत हार्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमान सचेंद्र कुमार मिश्रा (भूतपूर्व प्रधानाचार्य कृषक इंटर कॉलेज महोली) मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान नरेंद्र अग्निहोत्री जी ने की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान नीरज शुक्ल जी ने आये हुए अतिथियों का परिचय कराया। विद्यालय के योगाचार्य श्री शिवराम व रविकेश आचार्य जी ने योगासन कराया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य, आचार्या बहनें, अभिभावक एवं विद्यालय के भैया बहनों ने योग किया।

प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवाँ , सीतापुर में अभिभावक संपर्क व नैतिक शिक्षा का प्रशिक्षण वर्ग प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी की देखरेख में संपन्न हुआ , जिसमें विद्यालय की नवीन आचार्या श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी जी ने अभिभावक संपर्क पर विस्तृत चर्चा की , विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री प्रेम कुमार मिश्र जी नैतिक शिक्षा के प्रमुख द्वारा नैतिक शिक्षा से संबंधित संस्कार, सद्विचार ,समय पालन ,एवं उचितव्यवस्थापर विस्तृत चर्चा की । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी ने हम सभी लोगों का मार्गदर्शन किया, इस प्रशिक्षण वर्ग में समस्त आचार्य /आचार्या बहनों की सहभागिता रही , कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र साथ किया गया ।

संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग सम्पन्न

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को अपनाने तथा उसके सफल क्रियान्वयन हेतु विद्या भारती के निर्देशन के अनुसार सीतापुर संकुल के समस्त नगरीय शिशु मन्दिरों एवं विद्या मन्दिरों के शिक्षकों का त्रिदिवसीय आचार्य विकास वर्ग आनन्दी देवी स.वि.मं.इ.का.–सीतापुर में दिनांक 28 जून की सायं से 30 जून 2023 की अपराह्न तक आयोजित किया गया। इस वर्ग में सीतापुर संकुल के 14 नगरीय विद्यालयों के 137 आचार्य बन्धु/बहिनें एवं प्रधानाचार्यों ने सहभागिता की। वर्ग का शुभारम्भ 28 जून को प्रान्त प्रशिक्षण प्रमुख/संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य श्री राम निवास सिंह द्वारा परिचयात्मक बैठक के साथ हुआ तदुपरान्त विभिन्न सत्रों में प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0 श्री रामजी सिंह भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0 , क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख श्री राजेन्द्र बाबू, सम्भाग निरीक्षक सीतापुर श्री सुरेश सिंह,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सीतापुर से आए प्रशिक्षकों (प्रवक्तागण), क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख श्री दिनेश कुमार सिंह, जि.वि.नि. सीतापुर श्री राजेन्द्र सिंह,मन्त्री भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0, डॉ0 महेन्द्र कुमार, उपशिक्षा निदेशक/जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सीतापुर के प्राचार्य श्री ओ0पी0 यादव,विभाग प्रचारक सीतापुर श्रीमानअभिषेक जी, विद्यालय के अध्यक्ष श्री सुभाष चंद्र अग्निहोत्री, प्रबंधक श्री श्रीराम रस्तोगी तथा कोषाध्यक्ष श्री राजकुमार गुप्ता आदि विद्वतजनो द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020,शिक्षण एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से भैया/बहिनों के सर्वांगीण विकास तथा विद्या भारती के वैशिष्ट्य आदि विषयों पर चर्चा के साथ क्रियात्मक सत्र भी सम्पन्न हुए। अन्त में वर्ग के सफल समापन पर प्रबन्धक श्री श्रीराम रस्तोगी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित दिया।

स्वामी विवेकानन्द जी का निर्वाण दिवस मनाया गया

बिसवां में मां सरस्वती जी की वंदना के पश्चात स्वामी विवेकानंद जी की 121 वीं पुण्यतिथि (निर्वाण दिवस)का कार्यक्रम मनाया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा अष्टम के भैया अभिजीत सिंह को विवेकानंद जी के स्वरूप में प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्रीमान राकेश कुमार दीक्षित जी ने विवेकानंद जी द्वारा किए गए कार्यों के विषय में बहुत ही रोचकता पूर्ण विस्तार से बताया गया । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारा विवेकानंद जी से संबंधित प्रेरक कथन एवं भारतीय संस्कृति से ओत प्रोत उनके संस्मरण भैया बहनों के सामने सुनाएं और बताएं गए। भैया /बहनों को विवेकानंद जी का जीवन दर्शन पढ़ने एवं लिखने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिशु भारती प्रमुख आचार्य श्री मान पुष्पेंद्र तिवारी जी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी आचार्य बंधु, आचार्या बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन पूर्णतः मंत्र के साथ किया गया।

लखीमपुर संकुल

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू0पी0 बोर्ड व सी.बी. एस.ई) लखीमपुर खीरी में नवम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम मनाया गया। यू0पी0बोर्ड विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह जी नें बताया कि आज से लगभग दस वर्ष पूर्व लोगों नें योग के बारे में सुना था परन्तु जानते नहीं थे लेकिन अपने देष के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी नें तथा योग गुरू बाबा रामदेव जी के कारण पूरा विष्व आज 21 जून को विष्व योग दिवस मना रहा है। जो भी व्यक्ति वर्ष भर योग को करता है वो सदैव निरोग रहता है। आज कल बहुत से लोग सरवाइकल से पीड़ित हैं इस बीमारी का पूरा इलाज बिना दवा के योग में है। अमेरिका जैसा विकसित देष योग की सिद्धी को मानता है। हमारी बहुत सी सभ्यता एवं संस्कृति का लाभ विदेषी ले रहे हैं लेकिन हम अपनी सभ्यता संस्कृति को छोड़ रहे हैं। हमें कभी भी अपनी सभ्यता और संस्कृति को नहीं छोड़ना चाहिए। कोरोना काल में भारत नें विश्व को वैक्सीन प्रदान की। भारत की वैक्सीन को चीन और अमेरिका नें अपनाया है। भारत नें कोरोना जैसी कई बीमारियों का डट कर सामना किया और भारत वर्तमान में सबसे स्वस्थ देश है। इस अवसर

पर विद्यालय में कक्षा 6 से 8 तक के भैयाओं के लिए पोस्टर प्रतियोगिता तथा कक्षा 9 से 12 के भैयाओं के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रत्येक प्रतियोगिता से तीन–तीन भैयाओं को चयनित करके पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रमुख श्री प्रवेन्द्र कुमार सिंह और श्री

आयुष वर्मा नें समस्त आचार्य, कर्मचारी, अतिथि, पूर्व छात्रों व नगर के अन्य गणमान्य लोगों को योग कराया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य, विद्यालय के आचार्य, कर्मचारी, छात्र भैया व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह नें सभी का आभार व्यक्त किया। सी0बी0एस0ई0 विद्यालय में कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि गायत्री परिवार लखीमपुर खीरी के कोऑर्डिनेटर श्री राम खेलावन निषाद जी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अरविंद सिंह चौहान जी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण पुष्पर्चन व द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राम खेलावन जी मैं हमारे जीवन में योग के महत्व को समझाया।उन्होंने बताया कि योग हमारे मानसिक व शारीरिक प्रगति के लिए

कितना आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य, आचार्य बहने, विद्यालय के भैया, बहन व कर्मचारी भैयाओ ने भी योग किया। कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्य श्री मान आचार्य श्रीमान सर्वेश तिवारी जी व शारीरिक शिक्षा के आचार्य श्री रविप्रकाश शुक्ला जी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य जी ने आए हुए समस्त भैया बहनों अभिभावकों व आचार्य परिवार का आभार व्यक्त किया।

संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग सम्पन्न

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड में तीन दिवसीय संकुल स्तरीय आचार्य विकास प्रशिक्षण वर्ग समापन सत्र के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । उद्घाटन सत्र में विद्या भारती के द्वारा संचालित संकुल लखीमपुर के 15 विद्यालयों से 280 आचार्य व आचार्या बहनों ने प्रतिभाग किया। आचार्य विकास प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में मुख्य अतिथि मंत्री भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश अवध प्रांत श्रीमान डॉ महेन्द्र कुमार जी के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। मंचासीन आतिथियों का परिचय प्रधानाचार्य सीबीएसई श्रीमान अरविन्द सिंह चौहान जी द्वारा कराया गया। मंचासीन अतिथियों में मंत्री भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश अवध प्रांत श्रीमान महेंद्र कुमार जी, प्रबंधक सीबीएसई बोर्ड श्रीमान रवि भूषण साहनी जी, कोषाध्यक्ष श्रीमान विमल अग्रवाल जी, प्रधानाचार्य सीबीएसई श्रीमान अरविंद सिंह चौहान जी व व प्रधानाचार्य यूपी बोर्ड श्रीमान डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह जी उपस्थित रहे। इसी क्रम में अतिथि महोदय द्वारा NEET व JEE परीक्षा में सफल भैयाओ

का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हे पुरस्कृत भी किया गया। पूरे प्रशिक्षण वर्ग को 8 सत्रों में विभाजित किया गया। प्रथम सत्र क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख श्रीमान राजेंद्र बाबू जी द्वारा लिया गया, जिनका विषय मानक परिषद एवं अभिभावक संपर्क रहा। द्वितीय सत्र विभागाध्यक्ष **B-Ed Department** युवराज दत्त महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर विशाल दिवेदी जी द्वारा लिया गया जिनका विषय शिक्षण अधिगम सामग्री रहा। तृतीय सत्र प्रांतीय सह मंत्री जन शिक्षा समिति श्रीमान कौशल किशोर वर्मा जी द्वारा लिया गया। इस सत्र का विषय आयाम एवं गतिविधियां रहा। इसी सत्र में आचार्य व आचार्या बहनों द्वारा विषयशः पाठ्यक्रम नियोजन भी किया गया। चतुर्थ सत्र विषयशः शिक्षण का रहा। चतुर्थ सत्र संभाग निरीक्षक सीतापुर संभाग श्रीमान सुरेश सिंह जी द्वारा लिया गया जिनका विषय आदर्श कक्षा शिक्षण रहा। छठा सत्र सीबीएसई बोर्ड के प्रधानाचार्य श्रीमान अरविंद

सिंह चौहान जी द्वारा लिया गया। जिनका विषय शैक्षिक प्रबंधन एवं NEP 2020 का परिचय रहा। सप्तम सत्र जिला विद्यालय निरीक्षक लखीमपुर डॉ महेंद्र प्रताप सिंह जी द्वारा लिया गया जिनका विषय कक्षा शिक्षण में एन ई पी का प्रयोग कैसे करें रहा। आठवां सत्र युवराज दत्त महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ धर्म नारायण जी द्वारा लिया गया जिनका विषय बस्ता रहित कक्षा था। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान रवि भूषण साहनी जी ने आए हुए समस्त अतिथियों, प्रधानाचार्य, आचार्य, आचार्य बहनों व कर्मचारी भैयाओं का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय स्तरीय आचार्य विकास वर्ग आयोजित

भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना लखीमपुर खीरी में आज दिनांक 30–06–2023 दिन शुक्रवार को मासान्त तिथि पर विद्यालय स्तरीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ, जिसमें डॉ सुरेश सौरभ, प्रोफ़ेसर भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, मुरादनगर लखीमपुर खीरी एवं डॉ अनिल त्रिपाठी , प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज लखीमपुर प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्र दत्त शुक्ल ने अतिथियों का परिचय एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। डॉ सुरेश सौरभ जी ने बदलते परिवेश में कक्षा शिक्षण कैसे करें ,विषय पर अपने विचार रखते हुए बताया कि शिक्षण के बीच बीच में छात्रों का मूड बदलने के लिए कुछ कहानी /कविता/ प्रोत्साहन शब्दों का प्रयोग करें, नई तकनीक के अनुसार शिक्षण करने ,नवाचार के प्रति रुचि जागृत करने की ओर संकेत किया। डॉ अनिल त्रिपाठी जी ने सुलेख सुधार विषय पर अपने विचार रखते हुए अक्षरों की बनावट, मात्रा लगाने की कला, वर्तनी दोष में सुधार ,अपने विषय का विशेषज्ञ होने ,छात्रों को प्रतिदिन समाचार पत्र /सद्सहित्य पढ़ने ,महापुरुषों के जीवन से सीख लेने, अपसंस्कृति से बचने, खानपान में शुद्धता, मर्यादित वस्त्र पहनने,प्रकृति के प्राणियों के प्रति संवेदनशील रहने ,आदि बातों की ओर ध्यानाकर्षण किया। कार्यक्रम का समापन शान्ति मंत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर शिशु वाटिका सहित समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

भैया–बहिनों के भव्य स्वागत के साथ प्रारम्भ हुआ ग्रीष्मावकाश के बाद शिक्षण कार्य

पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सीबीएसई बोर्ड में ग्रीष्मावकाश के बाद आए हुए भैया बहनों का आचार्य परिवार द्वारा तिलक रोली लगाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान अरविंद सिंह चौहान जी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर सत्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जी ने भैया और बहनों को कई प्रकार के दिशा निर्देश दिए। उन्होंने भैया बहनों को बताया की समय सारणी बनाकर व अपना वार्षिक परीक्षा का लक्ष्य तय करके अध्ययन करना चाहिए जिससे उनको सफलता प्राप्त हो सके।

जिला विद्यालय निरीक्षक जी ने किया निरीक्षण

विद्या भारती द्वारा संचालित अस्थल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मोहम्मदी खीरी में माननीय जिला विद्यालय निरीक्षक श्री महेंद्र प्रताप सिंह जी का आगमन हुआ। श्रीमान जिला विद्यालय निरीक्षक जी ने सभी कक्षाओं में जाकर भैया बहनों से अध्ययन संबंधी जानकारियां प्राप्त की तत्पश्चात भैया बहनों का मार्गदर्शन भी किया तथा विद्यालय का निरीक्षण कर विद्यालय से आवश्यक जानकारियां प्राप्त की इस अवसर पर श्रीमान जिला विद्यालय निरीक्षक जी के साथ वरिष्ठ लिपिक श्री उमाकांत जी मिश्र भी थे विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान गुलशन कुमार जी भसीन ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान पवन कुमार जी वर्मा ने स्वागत किया इस अवसर पर विद्यालय के समस्त भैया बहन व आचार्य बंधु उपस्थित रहे।

हरदोई संकुल

बैठक सम्पन्न

आचार्य विकास वर्ग 2023 की तैयारी हेतु एक बैठक स्थानीय सरस्वती शिशु/ विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई मे संकुल प्रमुख व विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार सिंह जी की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। बैठक मे संकुल के सभी प्रधानाचार्य जी ने विकास वर्ग को सफल बनाने व नवीनतम शिक्षा नीति के अनुरूप कार्य करने की बात कही। संकुल प्रमुख श्री विनोद कुमार सिंह जी ने प्रांत द्वारा निर्धारित बिंदुओ को बैठक में बताया। इस मौके पर विद्यालय के आचार्यगण भी उपस्थित रहें! बैठक का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ। आये हुए प्रधानाचार्य जी को संकुल प्रमुख जी ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया ।

सम्मानित किया गया

पूर्व छात्रों द्वारा अवकाश प्राप्त आचार्यों तथा वर्तमान आचार्यों /भगनी आचार्या का सम्मान समारोह वन्दना सभा में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार श्रीवास्तव जी, आचार्य श्री राजकुमार जी, श्री गोपाल जी, श्री अमलकांत शास्त्री जी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए माल्यार्पण पूर्व छात्रों भैया उत्कर्ष मिश्रा एडवोकेट,भैया अंकुर जैन,भैया आशीष जैन,भैया शुभम जैन,भैया प्रशांत मिश्रा,भैया सिद्धार्थ,भैया ललित द्वारा किया गया । उसके बाद क्रमशः विद्यालय के आचार्य /प्रधानाचार्य जी का भी सम्मान किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार सिंह ने कहा कि गुरु –शिष्य परम्परा जाग्रत रहे इसके लिए इस प्रकार के आयोजन नितांत आवश्यक है । आये हुए सभी पूर्व छात्रों पूर्व प्रधानाचार्य जी एवं पूर्व आचार्य जी बधाई के पात्र है जिन्होंने अपनें अमूल्य समय से समय निकाल कर मेरे निवेदन को स्वीकार किया । हमारे सहयोगी आचार्यों तथा विद्यालय परिवार का भी कार्यक्रम सफल बनाने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद । अन्त में सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए समापन किया गया ।

रायबरेली संकुल

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल मे आज विश्व योग दिवस का कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान विमल तालरेजा जी उपस्थित रहे प्रधानाचार्य श्रीमान रविंद्र मोहन मिश्र ने आए हुए सभी अतिथि महानुभावों का आभार प्रदर्शन किया

कैरियर काउन्सिलिंग का आयोजन किया गया

दिनांक 11.07.2023 दिन मंगलवार को सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इण्टर कालेज, रायबरेली में श्रम एवं सेवायोजन विभाग उ0प्र0 द्वारा वर्तमान चुनौतियो एवं उपलब्ध अवसर के अर्न्तगत कैरियर काउन्सिलिंग का आयोजन जिला सेवा योजन कार्यालय रायबरेली द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला सेवा योजन अधिकारी सुश्री तनुजा यादव जी नय चयनित उप जिलाधिकारी सुश्री ज्योति चौरसिया जी एवं श्री सर्वेश राय जी उपस्थित रहे। सुश्री ज्योति जी ने 2022 बैच में 21 वीं रैंक प्राप्त की विद्यालय की छात्राओं का मार्ग दर्शन करते हुए सुश्री ज्योति चौरसिया जी ने छात्राओं को 2014 से 2022 तक अपनी तैयारी एवं चयन प्रक्रिया के संघर्ष से अवगत कराया। सुश्री चारसिया ने छात्राओं को बताया कि हर परीक्षा का अलग पाठ्यक्रम और अपनी अलग परीक्षा योजना होती है जैसे NEET, SSC, Banking आदि में भी उतनी तैयारी करनी होती है जितनी सिवलि सेवा में उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास के साथ समय का सदुपयोग करें सफलता हेतु मेरी लम्बी संघर्षशील यात्रा आपके लिए प्रेरणास्रोत है, कभी हार न मानें गोल बना करके लक्ष्य को प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी महोदया ने छात्राओं को लक्ष्य प्राप्ति एवं स्वावलम्बन पर छात्राओं के साथ विस्तार से चर्चा की।

सुश्री चौरसिया जी ने छात्राओं की उत्सुकता एवं प्रश्नों का समुचित उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट किया। सभी लोगों ने विद्यालय परिवार के साथ वृक्षारोपण किया।

कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती निवि द्विवेदी जी ने स्मृति चिहान देकर सभी का सम्मान किया तथा इस कार्यक्रम के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रबन्ध श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव जी एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

उन्नाव संकुल

मेधावी किये गये सम्मानित

शुक्लागंज, सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज गोपीनाथ पुरम के इण्टरमीडिएट के छात्र अभिषेक निगम (प्रदेश में आठवां स्थान) को एक लाख रूपया व टैबलेट, लक्ष्य दीक्षित (जनपद में प्रथम स्थान) व अतुल यादव (जनपद में पांचवा स्थान) को इक्कीस हजार रूपये व टैबलेट देकर मा0 जिलाधिकारी महोदय व मा0 विधायक जी ने सम्मानित किया।

योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

स0वि0म0इ0का0गोपीनाथपुरम शुक्लागंज के श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आज 9वाँ विश्व योग दिवस मनाया गया जिसमें लगभग 1200 से अधिक नगरवासियों ने सहभागिता की । कार्यक्रम का प्रारम्भ संघ मंत्र के साथ शुरू हुआ पश्चात हरिद्वार से आये हुए बाबा रामदेव के शिष्य श्री रामप्रकाश जी ने विभिन्न योग करवाये । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नरेन्द्र कुमार मिश्र जी ने संघ गीत भी करवाया । कार्यक्रम में नगर संघचालक श्री अंजनी अग्निहोत्री जी , नगर प्रचारक , जिला प्रचारक , विभाग प्रचारक व अन्य संघ के पदाधिकारियों के अलावा लगभग 1200 स्वयंसेवक उपस्थित रहे व योग किया । अन्त में हरिद्वार से पधारे योगाचार्य जी ने स्वयंसेवको को योग से होने वाले लाभ व गुणों का वर्णन किया ।नगर संघचालक श्री अंजनी अग्निहोत्री जी ने सभी का आभार जताया और कार्यक्रम के समापन की औपचारिक घोषणा की ।या । आज के अवसर पर समाज के बंधु आचार्य बंधु बहने विद्यालय के भैया बहन एवं प्रबंध समिति के बंधुओं ने सहभाग किया । अंत में मुख्य अतिथि आदरणीय रवि शंकर शास्त्री जी ने योग के विषय में सभी को प्रभावी ढंग से अपना पाथेय दिया। प्रधानाचार्य जी ने महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बाराबंकी संकुल

योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

सरस्वती शिशु मंदिर इण्टर कालेज फतेहपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य विपुल शर्मा ने योग कराया। मुख्य शिक्षक शेखर सोनी ने ताड़ासन, उत्कट आसन, हलासन, त्रिकोणासन, सूर्य–नमस्कार आदि कराए। राजेश रस्तोगी ने प्राणायाम की विभिन्न प्रक्रियाएं अनुलोम विलोम भश्रिका, भ्रामरी, कपालभांति, शीतली इत्यादि का अभ्यास करवाया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ प्रवक्ता वीरेंद्र शर्मा ने आधुनिक जीवन शैली में योग के समावेश की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में योग का विशेष महत्व है। समाज में व्यतिक्रम चित्तविकार का ही परिणाम है। योग इंद्रिय निग्रह का महत्वपूर्ण साधन है। इस अवसर पर खंड संघचालक रामनाथ जी सोनी ,प्रबंधक लालबहादुर वर्मा , उपाध्यक्ष अहिबरन सिंह, योग शिक्षक अमरेंद्र जी, प्रबंध समिति के सदस्य, आचार्य,आचार्य बहिने, कर्मचारी संघ के कार्यकर्ता एवं विद्यालय के छात्र उपस्थित रहे।

प्रान्तीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कालेज राम सनेही घाट बाराबंकी में प्रांतीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग में वंदना सत्र की शुरुआत मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री सतीश शर्मा जी प्रज्ञा द्विवेदी जी नायब तहसीलदार व पूनम सिंह जी निदेशक जे बी एस संस्थान मालिन पुर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर व पुष्प अर्पित कर की। मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व श्री फल देकर सम्मानित किया गया। यह वर्ग राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में आचार्या बहनों को प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है । वंदना सत्र में आज श्री विजय उपाध्याय जी ने आचार्या बहनों को संबोधित किया तत्पश्चात प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। वर्ग का समापन 30 जून दिन शुक्रवार को होगा। इस वर्ग में 13 जनपद की 88 आचार्या बहनों को प्रशिक्षित किया जा रहे हैं इस अवसर पर संभाग निरीक्षक श्री अवरीश कुमार जी श्री सुरेश सिंह जी व श्री रणवीर जी शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती हीरा सिंह जी श्रीमती बिंदु जी के पूर्व प्रधानाचार्य श्री उत्तम कुमार मिश्र जी तथा विद्यालय के वर्तमान प्रधानाचार्य श्री देवेंद्र कुमार शुक्ल जी उपस्थित रहे।

बुधवार को वंदना सत्र की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रीमती लज्जा चतुर्वेदी व डॉ शेफाली ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर व पुष्प अर्पित कर की। मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र व श्री फल देकर सम्मानित किया गया। यह वर्ग राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में आचार्या बहनों को प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है । वंदना सत्र में आज प्रांत संगठन मंत्री हेम चंद शर्मा ने आचार्या बहनों को खेल गीत कहानी के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने के लिए डिजिटल बोर्ड के प्रयोग के बारे में बताया व बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। द्वितीय सत्र में क्रियाविधि एवं शोध के अन्तर्गत गीत व संगीत के माध्यम से गणित भाषा में प्राथमिक कक्षा के बच्चों को अंकों के ज्ञान को अत्यंत हृदयस्पर्शी ढंग से आशा शुक्ला उन्नाव के द्वारा कराया गया तथा ज्योति मिश्रा पाली व ज्योति मिश्रा लखीमपुर ने क्रिया शोध मनोरंजन से कराकर बताया। इस वर्ग में 13 जनपद की 88 आचार्या बहनों को प्रशिक्षित किया जा रहा हैं। इस अवसर पर संभाग निरीक्षक अवरीश कुमार सुरेश सिंह व रणवीर शिशु वाटिका प्रमुख श्रीमती हीरा सिंह श्रीमती बिंदु के पूर्व प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मिश्र तथा विद्यालय के वर्तमान प्रधानाचार्य देवेंद्र कुमार शुक्ल उपस्थित रहे।

अम्बेडकर नगर संकुल

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विवेकानंद शिशुकुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी कालोनी टांडा अंबेडकर नगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमान प्रभाकर वर्मा जी (हरिद्वार पतंजलि योग पीठ से प्रशिक्षित)टांडा अंबेडकर नगर मौजूद रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान स्वामीनाथ द्विवेदी जी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान काली प्रसाद मिश्रा जी ने आये हुए मुख्य अतिथियों का परिचय कराया। विद्यालय के योगा आचार्य श्री अजीत आचार्य जी ने योग के बारे में विस्तार पूर्वक बताया एवं योग आसन कराया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य, आचार्या बहने, प्रबंध समिति के सदस्य एवं विद्यालय के भैया बहनों ने योग किया।

बहराइच संकुल

योग दिवस का कार्यक्रम मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रामनारायण मद्धेशिया सरस्वती शिशु विद्या मंदिर नानपारा बहराइच में योग दिवस का कार्यक्रम मनाया गया । जिसमें विद्यालय के आचार्य,आचार्या बहनों,अभिभावक, भैया–बहन समिति के सदस्य तथा नगर के गणमान्य महानुभावों ने भाग लिया ।

सरस्वती विद्या मन्दिर माधवपुरी बहराइच में हुए योग की झलकियां

बलरामपुर संकुल

गुरू पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर इंटर कॉलेज रमना पार्क बलरामपुर में गुरु पूजन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती को पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर पूर्व छात्रों द्वारा सभी आचार्य एवं आचार्या बहिनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व छात्र अजय सिंह ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए गुरु के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इसी क्रम में अविनाश त्रिपाठी, पूर्व छात्र परिषद के सन्तोष गुप्ता, संरक्षक सुनील जी कसेरा ने भी अपने विचार को रखते हुए विद्यालय के पुराने अनुभव का जिक्र किया तथा विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सहयोग करने पर बल दिया। इस अवसर पर सभी आचार्य गण, आचार्या बहिनें एवं अनेक पूर्व छात्र तथा हाईस्कूल एवं इण्टर के भैया / बहिन उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम के साथ हुआ। कार्यक्रम की उपादेयता एवं अतिथि परिचय तथा आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य राम तीरथ यादव द्वारा किया गया ।

विद्या भारती–व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण

भारत विश्व का प्रथम राष्ट्र है। विश्व के अनेक राष्ट्र जब पशुवत जीवन जीते थे, तब भारत ने ही उन्हें सभ्यता व संस्कृति का पाठ पढ़ाया था। इसलिए वे सभी देश भारत को अपना गुरु मानते थे। भारत के लिए कहा गया है–

एतद्देश प्रसूतस्य शकासाद अग्र जन्मनः।

स्वं स्वं चरित्र शिक्षेरन पृथिव्या सर्व मानवाः।

इस देश में उत्पन्न पूर्वजों के चरित्रों से शिक्षा ले पृथ्वी के सभी लोगों ने अपने–अपने जीवन को संवारा है। यही कारण है कि भारत विश्व गुरु था। उसी विश्वगुरु भारत ने दीर्घकाल काल तक चले संघर्ष एवं सदगुण विकृति के फलस्वरूप अपना गुरुत्व खो दिया। अपना गुरुत्व खो देने से भारत कमजोर हुआ। भारत की इस कमजोरी का लाभ उठाकर पहले

मुगलों ने और बाद में अंग्रेजों ने इस पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। केवल अधिकार ही नहीं अंग्रेजों ने इसके श्रेष्ठ वेद ज्ञान को गड़रियों के गीत अर्थात् मिथक घोषित कर शिक्षा की मूल धारा से बाहर कर दिया।

विद्या भारती शिक्षा क्षेत्र में क्यों आई?

भारत की स्वाधीनता से पूर्व अर्थात् अंग्रेजी काल में ही स्वदेश प्रेमियों के ध्यान में यह बात आ गई थी कि यह अंग्रेजी शिक्षा भारतीय नवयुवकों में भारतीयता के संस्कार मिटाकर उनमे अंग्रेजीयत भर रही है, जो आगे चलकर देश के लिए घातक सिद्ध होगी। इस अंग्रेजी शिक्षा के विरोधस्वरूप सबसे पहले रवीन्द्रनाथ ठाकुर के नाना राज बसु ने राष्ट्रीय शिक्षा का बीडा उठाया। उनके बाद महर्षि अरविन्द, रवीन्द्र नाथ ठाकुर, स्वामी विवेकानंद, भगिनी निवेदिता, स्वामी दयानंद सरस्वती, लाल–बाल–पाल तथा गांधीजी ने राष्ट्रीय शिक्षा की ज्योति को प्रज्जवलित रखा। स्वाधीनता के पश्चात् सारा देश चाहता था कि अब देश स्वाधीन हो गया है, अंग्रेज चले गए हैं इसलिए अंग्रेजी शिक्षा को हटाकर पुनः भारतीय शिक्षा प्रतिष्ठित करनी चाहिए। जब भारत स्वतंत्र हुआ तब एक पत्रकार ने विनोबा भावे से पूछा था कि स्वतंत्र भारत में आप कैसी शिक्षा चाहते हैं? विनोबा जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, "अब भारत में भारतीय शिक्षा लागू होनी चाहिए। भारतीय शिक्षा को लागू करने के लिए यदि छः माह का समय लगे तो छः महीने तक देश के सभी विद्यालय बंद कर देने चाहिए। जब छः महीने बाद विद्यालय खुले तब उनमें भारतीय ज्ञान ही दिया जाए।" किन्तु उस समय के नेतृत्व ने विनोबा जी की बात नहीं मानी और वही अंग्रेजी शिक्षा चलने दी। इतना ही नहीं देश की शिक्षा उन लोगों के हाथों में सौंपी जो अभारतीय मानस के थे। इस प्रकार स्वतंत्र भारत में भी जब अभारतीय शिक्षा ही दी जाती रही, तब विद्या भारती ने शिक्षा क्षेत्र में आना आवश्यक समझा। सन् 1952 में विद्या भारती योजना का पहला सरस्वती शिशु मंदिर, गोरखपुर में प्रारम्भ हुआ। आज तो विद्या भारती के लगभग 25 हजार शिक्षा केन्द्र चल रहे हैं, जिनमें व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण की शिक्षा दी जा रही है।

विद्या भारती क्या चाहती है?

विद्या भारती ने शिक्षा क्षेत्र का वरण तो कर लिया, किन्तु उसने शिक्षा को ही क्यों चुना? यह जानना भी आवश्यक है। विद्या भारती ने देश के शिक्षा क्षेत्र की चुनौती को स्वीकार किया है और भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन कर उसका विकल्प विकसित करने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की पूर्ति हेतु विद्या भारती ने अपना लक्ष्य निर्धारित किया है। उसने अपने लक्ष्य में जो–जो करना चाहती है, उसे स्पष्ट शब्दों में कहा है।

विद्या भारती का लक्ष्य

विद्या भारती इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना चाहती है, जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी–झोपडियों में निवास करने वाले दीन–दुखी, अभावग्रस्त अपने बान्धवों

को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न, एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो। विद्या भारती का यह लक्ष्य अपने आप में इतना स्पष्ट है एवं इतना सुविचारित है कि कुछ और कहना शेष नहीं रहता। लक्ष्य साफ–साफ बताता है कि हमारे देश में विदेशी नहीं राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली हो, जिससे हिन्दुत्वनिष्ठ युवा पीढ़ी निर्मित हो जो राष्ट्र के उत्थान हेतु समर्पित हो। मैं समझता हूं इससे बढ़कर व्यक्ति और राष्ट्र हित का विचार नहीं हो सकता। इसी लक्ष्य की पूर्ति में विद्या भारती प्रयत्नरत है और अपने प्रयत्नों में उसे सफलता भी मिल रही है।

विद्या भारती का शैक्षिक विचार क्या है?

विद्या भारती की मान्यता है कि केवल किताबी ज्ञान जानकारी बढ़ा सकता है किन्तु जीवन निर्माण नहीं कर सकता। इसी प्रकार पर्सनालिटी विकास से आकर्षक व्यक्तित्व बनाया जा सकता है, परन्तु व्यक्तित्व की मूलभूत सम्भावनाओं का विकास नहीं हो सकता। हमारा तैत्तिरीय उपनिषद कहता है कि व्यक्तित्व पंच कोशात्मक है। ये पंच कोश हैं– अन्नमय कोश, प्राणमय कोश, मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश तथा आनन्दमय कोश। इन पांचों कोशों का विकास करने से अर्थात् शरीर, प्राण, मन, बुद्धि तथा चित्त जब विकसित होते हैं, तभी सर्वांगीण विकास हुआ माना जाता है। केवल इतना ही नहीं तो जब तक विकसित व्यक्ति का समष्टि के साथ समायोजन नहीं होता, अर्थात मेरा जीवन केवल मेरे लिए नहीं है, वह परिवार, समाज, देश एवं विश्व के लिए भी है, जब तक इस बात का भान नहीं होता तब तक व्यक्ति में और मेरा परिवार तक ही सीमित रहता है। इसी प्रकार व्यक्ति का सृष्टि के साथ समायोजन करते हुए जब उसे परमेष्ठी की ओर अग्रसर किया जाता है, तभी वह 'सा विद्या या विमुक्तये' इस उक्ति को सार्थक करने की योग्यता अर्जित करता है।

विद्यार्थी को शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण कर अधिक अंक लाने के लिए नहीं दी जाती, वह तो जीवन की चुनौतियों का डटकर मुकाबला करते हुए कुलदीपक बनाने के लिए समाजसेवी बनाने के लिए देशभक्त निर्माण करने के लिए तथा सम्पूर्ण मानवता के लिए जीवन खपाने हेतु दी जाती है। ऐसा जीवन केवल पुस्तकें पढ़ने से नहीं बनता अपितु क्रिया, अनुभव, विचार, विवेक तथा दायित्व बोध आधारित शिक्षा देने से बनता है। यही भारतीय शिक्षा है, इसी शिक्षा से योग्य एवं निष्ठावान नागरिक निर्माण होते हैं, यह विद्या भारती का अनुभूत मत है। भारतीय शिक्षा से ही हमारा देश पुनः एक बार जग सिरमौर बनेगा।

विद्या भारती के विविध उपक्रम कौन–कौन से हैं?

विद्या भारती के आयामः भारतीय शिक्षा के माध्यम से भारत को पुनः जग सिरमौर बनाने में रत विद्या भारती ने अनेक उपक्रम खड़े किए है। विद्या भारती के चार आयाम हैं– देश की विद्वत् शक्ति को इस ज्ञान यज्ञ में आहुति देने के लिए विद्वत परिषद है। शिक्षा में क्रिया शोध कर उसे और अधिक उपयोगी बनाने के लिए शोध विभाग है। भारतीय संस्कृति मय जीवन बनाने हेतु संस्कृति बोध परियोजना है और अपने पूर्व छात्रों में दिए गए संस्कार अमिट रहें, इसके लिए पूर्व छात्र परिषद है। अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विद्या भारती के पूर्व छात्र परिषद ने अपने पोर्टल में आठ लाख से अधिक पूर्व छात्रों को जोड़ा है, जो विश्व कीर्तिमान बना है।

आधारभूत विषयः

विद्या भारती यह मानती है कि व्यक्ति निर्माण में आधारभूत विषयों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। ये विषय हैं शारीरिक, योग, संगीत, संस्कृत, नैतिक तथा आध्यात्मिक शिक्षा। शारीरिक व योग शिक्षा से शरीर व प्राण का विकास होता है। संगीत शिक्षा मन को साधती है। संस्कृत शिक्षा उच्चारण एवं बुद्धि विकास करती है, वहीं नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा हमारे धर्म और संस्कृति से जोड़कर उसके चित्त को निर्मल करती है। इस प्रकार इन पांचों आधारभूत विषयों की शिक्षा विद्या भारती का वैशिष्ट्य है।

गुणात्मक विकास के उपक्रमः

विद्या भारती ने शिशुओं के विकास के लिए भारतीय पद्धति 'शिशु वाटिका' विकसित की है। बाल आयु के विद्यार्थियों के लिए क्रिया व अनुभव आधारित प्रारम्भिक शिक्षा के द्वारा उनमें गुण विकसित किए जाते हैं। 'सबके लिए खेलकूद' विद्या भारती का प्रमुख उपक्रम है। भारत सरकार ने एस.जी.एफ. आई. में विद्या भारती को एक प्रान्त माना है। इसलिए विद्या भारती के खिलाड़ी भैया–बहिन विद्यालय से जिला स्तर पर प्रान्त स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए विजयी होते हैं और एस.जी.एफ.आई. में भाग लेते हैं। विद्यालय से लेकर एस. जी. एफ.आई में प्रतिवर्ष खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या लगभग 3.5 लाख है।

विद्या भारती के विशेष विषयः बालिका शिक्षा, ग्रामीण एवं जनजाति की शिक्षा विज्ञान एवं वैदिक गणित की शिक्षा, आचार्य प्रशिक्षण तथा कौशल विकास ऐसे विषय है जो भैया–बहिनों में वैज्ञानिक सोच का निर्माण करते हुए उनके कौशलों का विकास करते है। साथ ही साथ शिक्षा से वंचित रह जाने वाले बालक–बालिकाओं में शिक्षा व संस्कार की अलख जगाने के लिए विद्या भारती सेवा बस्तियों में संस्कार केन्द्र भी चलाती है। देश भर में ऐसे हजारों केन्द्र है।

विद्या भारती के कार्य की संख्यात्मक स्थिति क्या है?

विद्या भारती यह संगठन का संक्षिप्त नाम है। इसका पूरा नाम विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान है। इस संस्थान ने अपने नाम को सार्थक किया है। सभी दृष्टि से विद्या भारती एक अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान है। उत्तर में लेह से लेकर, दक्षिण के रामेश्वरम तक तथा पश्चिम में पाकिस्तान की सीमा से लगे मुनाबाव से लेकर पूर्वोत्तर में हाफलांग तक विद्या भारती के विद्या मंदिर हैं। बड़े–बड़े महानगरों की समृद्ध कालोनियों से लेकर गिरिकन्दराओं में बसी छोटी–छोटी बस्तियों तक विद्या भारती के शिक्षा केन्द्र राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण कार्य में लगे हुए है। विद्या भारती ने संगठनात्मक दृष्टि से पूरे देश को ग्यारह क्षेत्रों में बाटा हुआ है। प्रत्येक क्षेत्र में एक क्षेत्रीय समिति है, जिसके निर्देशन में प्रान्तीय समितियां अपने–अपने प्रान्त के कार्यों की देखभाल करती है। इन प्रान्तीय समितियों के अन्तर्गत जिला समिति एवं विद्यालय समिति प्रत्यक्ष कार्य करती है। ये सभी ग्यारह समितियां केन्द्रीय समिति के मार्गदर्शन में कार्य करती है। केन्द्रीय समिति का प्रधान कार्यालय देश की राजधानी दिल्ली में है।

सम्पूर्ण देश में विद्या भारती के कार्य की स्थिति

देश में कुल जिले 711, इनमें कार्ययुक्त जिले 632 है। कुल औपचारिक विद्यालय 12,830, कुल अनौपचारिक केन्द्र 11,353, कुल शैक्षिक इकाइयां 24,183, देशभर में अध्ययनरत छात्रों की संख्या 34 लाख 47 हजार 856, कुल आचार्य 1.5 लाख हैं। उपर्युक्त सांख्यिकी के आधार पर कहा जा सकता है कि गैर सरकारी स्तर पर विद्या भारती देश का सबसे बड़ा शिक्षा संस्थान है। विद्या भारती अ सरकारी होते हुए भी सर्वाधिक असरकारी शिक्षा संस्थान भी है।

विद्या भारती का शिक्षा जगत को योगदान क्या है?

स्वाधीनता पूर्व से संपूर्ण देश में राष्ट्रीय शिक्षा स्थापना के जो प्रयास चल रहे थे, विद्या भारती ने उस ज्योति को बुझने नहीं दिया। देश में दी जा रही शिक्षा अभारतीय है, हमारे देश को भारतीय शिक्षा चाहिए। स्व की शिक्षा और स्व के तंत्र से ही देश समृद्ध व सुसंस्कृत बनेगा। यह विचार देशवासियों के मानस में बिठाकर उन्हें पश्चिम का अंधानुकरण न करने तथा अपनी आत्म विस्मृति को हटाते हुए स्वाभिमान जगाने की प्रेरणा देने का महती कार्य किया है। इसी प्रकार शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी नहीं, मातृभाषा होना चाहिए, इसकी चर्चा देश भर में चलाते हुए मातृभाषाओं के महत्त्व को बढ़ाया है। देश में समय–समय पर बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा को राष्ट्र की जड़ों से जोड़ने की संस्तुतियां देकर भारत सरकार को शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन के लिए दिशा प्रदान की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्या भारती की अनेक संस्तुतियों को स्थान मिला है। इस प्रकार विद्या भारती देश में भारतीय शिक्षा की पुनर्प्रतिष्ठा करने के कार्य में अग्रसर है। विद्या भारती की मान्यता है कि भारतीय शिक्षा की पुनर्प्रतिष्ठा से भारत आत्मनिर्भर तो होगा ही, अपनी ज्ञान विरासत के बल पर पुनः एक बार 'कृणवन्तो विश्वमार्यम्' की भूमिका निभाते हुए जग सिरमौर बनेगा। विद्या भारती, राष्ट्र के इस ज्ञान यज्ञ में आप भी आहुति दें, यह अपेक्षा रखती है।

वासुदेव प्रजापति

सह सचिव–विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

सह सम्पादक–भारतीय शिक्षा ग्रन्थ माला

अति महत्वपूर्ण तिथियां

- माह अगस्त–

9	अ. श्रावण कृष्ण अष्टमी	बुधवार	विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस (दादा–दादी सम्मेलन)
14	अ. श्रावण कृष्ण त्रयोदशी	सोमवार	भारत विभाजन विभीषिका दिवस (कार्यक्रम)
15	श्रावण कृष्ण चतुर्दशी	मंगलवार	स्वतन्त्रता दिवस, भारतमाता पूजन महर्षि अरविन्द जयन्ती (कार्यक्रम)
16	श्रावण अमावस्या	बुधवार	पर्यावरण सप्ताह (हरियाली अमावस्या)
	तृतीय सप्ताह		शैक्षिक प्रतियोगिताएं (निबन्ध, सुलेख, विषयशः प्रश्नमंच, आशुभाषण, अभिभावक गोष्ठी, संस्कार केन्द्र दर्शन आदि)
	चतुर्थ सप्ताह		द्वितीय मासिक परीक्षा
29	शु. श्रावण शुक्ल त्रयोदशी	मंगलवार	खेल दिवस, मेजर ध्यानचंद जयन्ती (कार्यक्रम)
30	शु. श्रावण शुक्ल चर्तुदशी	बुधवार	विद्यालय दक्षता वर्ग/रक्षाबन्धन कार्यक्रम
31	शु. श्रावण पूर्णिमा	गुरूवार	रक्षाबन्धन (अवकाश)

ग्रीष्मावकाश के बाद प्रान्त के विभिन्न विद्यालयों में भैया–बहिनों का किया गया स्वागत

विद्या भारती

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा-प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसी युवा-पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामीण, वनवासी, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन-दुःखी अभावग्रस्त अपने बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।

भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश

अवध प्रान्त